SHRI RAM COLLEGE, MUZAFFARNAGAR

Dated: 20/11/2019

ACTIVITY REPORT

An international seminar on "Problem of Waste Water Treatment: Prospects of the TSS Japans Tafguard Technology" was held at Shri Ram College on 19/11/2019. In the program, a presentation was made on the Taisei Soil System of Japan due to water contamination and its reuse. The first water purification plant was set up in Shri Ram College in India. Chief guest of the program was Mr. Hiroyuki Mihara, MD, Taisie Kyugyo Co. ltd. Guest of honors were Mr. Yasuhiro Matsumuto, Division Manager, TSS, Japan; Mr. Hiroshi Yamanouchi, Executive Officer, OEC, Japan and Mr. Utkarsh Sethia, Deputy Manager, TARA, New Delhi. The program was inaugurated by the guests along with Dr. SC Kulshrestha, Chairman of Shri Ram Group of Colleges, Dr. Aaditya Gautam, Principal, SRC and Mrs. Anju Agrawal, Chairman, Municipality.

Hiroshi Yamsnouchi and Kenichi Euchida, who came from Japan, told of their project that the Taisei Soil System was installed in Japan in 1873. A large number of projects were set up in other countries with Japan through this system. Taisei Soil System is a zero discharge waste water treatment technology, whereby the water released from the sewerage and safety tank is treated with the Soil Treatment System and this purified water can be used in irrigation work. For this, the first plant was set up in Shriram Group of Colleges.

In the seminar, Mr. Hiroyuki Mihara gave information about the West Water Purification Project. He said that it is a matter of pride for us that the Government of Japan has selected Sri Ram Group of Colleges in India to implement the project. These companies will set up a waste water purification plant at the Shri ram Group of Colleges Campus, which will have a refining capacity of 8000 liters per day. The work of survey, designing and estimation for setting up of the Waste Water Purification Unit has been completed. The function was presided over by NAPA Chairperson Anju Aggarwal. The distinguished guests during this period were former Municipality Pankaj Aggarwal, Nishank Jain, Revathi Nandan Asaghal, Ashok Aggarwal, Vipul Bhatnagar, Lover Chhabra and Padam Tomar etc. The seminar was attended by the Japanese delegation as Yasuhiro Matsumoto-Director Taisei Co. Ltd, Kenichi Euchida-Manager E-Scor-Japan and Himanshu Mishra Senior Manager, Technology and Action for Rural Advancement-New Delhi etc.

Overall 86 participants from faculties and students attended the seminar. In the end, the participants were distributed certificates and guests were given memento.

(Dr. Sourabh Jain)
HoD, Bioscience

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

Japan’S Tafguard Technology for Waste Water Treatment

International Seminar on
Prospects of the Taisei Soil System (TSS)
President
Mrs. Anju Aggarwal
On November 15, 2019
Organized by
Group of Colleges,
DR. ADITYA GAUTAM

International Seminar on
On November 15, 2019
Group of Colleges,

International Seminar on
Prospects of the Taisei Soil System (TSS)
President
Mrs. Anju Aggarwal
Mr. Kenichi Tamura
On November 19, 2019
DR. ADITYA GAUTAM
2. Background

International Seminar on
Mrs. Anju Aggarwal
On November 19, 2019

,फ़गार्ड तकनीक के बारे में विस्तार से बताया हिरोयूकी मिहारा ने

मुजफ्फरनगर, 19 नवम्बर (कौशिक): श्रीराम लेज में अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या विषय आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में जापान की अंतर्राष्ट्रीय पनी ताइसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक रोयूकी मिहारा मुख्यातिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों रूप में जापान की ही अन्य कंपनी ई-स्क्वायर निदेशक कैनेची तमूरा एवं हिरोशी यामानूची । कार्यक्रम की अध्यक्षता मुजफ्फरनगर नगरपालिका ध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने की। श्रीराम कॉलेज के यरमैन डा. एस.सी. कुलश्रेष्ठ ने कहा कि श्रीराम ॉलेज के सिविल इंजीनियरिंग ने मुजफ्फरनगर का हद दौरा किया तथा सुविधा, उपलब्धता एवं स्वच्छता आधार पर जनपद के सार्वजनिक व सामुदायिक ौचालयों का सर्वेक्षण कराया, जिसका यह निष्कर्ष नकला कि केवल 31 सार्वजनिक और सामुदायिक ौचालय मुजफ्फरनगर में हैं। इनमें सफाई व सुविधाओं ी स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। श्रीराम कॉलेज में फ़ गार्ड तकनीकी पिछले वर्ष से बेहद प्रभावी रीके से कार्य कर रही है, जिसके माध्यम से छात्रावासों तथा कॉलेज के अवशिष्ट जल को पुनः

मुजफ्फरनगर में श्रीराम कालेज के चेयरमैन जापानी कम्पनी के प्रबन्ध निदेशक का स्वागत करते हुए। (कौशिक)

उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त उन्होंने नगरपालिका चेयरमैन अंजू अग्रवाल का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके माध्यम से सरकार एवं प्रशासन का भी पूरा-पूरा सहयोग इस कार्य में मिल रहा है। सैमीनार में ताइसी कंपनी के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा ने टैफगार्ड तकनीक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह तकनीकी अवशिष्ट जल को जमीन में अवशोषित नहीं होने देती जबकि वाष्पीकरण द्वारा जमीन के ऊपर भेज देती है, जिससे जमीन के ऊपर का पानी दूषित होने से बच जाता है तथा टैफगार्ड द्वारा वाष्पीकृत हुआ जल जमीन की उवर्रा शक्ति को बढ़ाता है। इसे किचन गार्डन और खेती के लिए उपयोग किया जा सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि टैफगार्ड एक उपयोगी तकनीकी है जिससे भू जल दूषित होने से बचेगा तथा जमीन की उवर्रा शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने नई तकनीकी को अपनाने के लिए श्रीराम कॉलेज की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस योजना का प्रसार जनपद के सभी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डा. आदित्य गौतम, श्रीराम कॉलेज की प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल, इलैक्ट्रोनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्षा साक्षी श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, विवेक और अनुज आदि उपस्थित रहे।

Punjab Kesari

जल प्रबंधन की समस्या पर संगोष्ठी

जासं, मुजफ्फरनगर: श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज में अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसमें जल प्रबंधन पर जनपद में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों सहित 31 शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण से संबंधित तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

श्रीराम कॉलेज में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा तथा विशिष्ट अतिथियों के रूप में जापान की अन्य कंपनी ई. स्कवायर के निदेशक कैनेची तमूरा व हिरोशी यामानूची रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुजफ्फरनगर नगरपालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने की। कॉलेज चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेज के सिविल इंजीनियरिंग ने मुजफ्फरनगर का वृहद दौरा किया तथा सुविधा, उपलब्धता एवं स्वच्छता के आधार पर जनपद के

मुजफ्फरनगर के श्रीराम कालेज में आयोजित कार्यक्रम में पहुंची विदेशी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते कालेज चेयरमैन एससी कुलश्रेष्ठ • जागरण

सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों का सर्वेक्षण कराया। सेमिनार में हिरोयूकी मिहारा ने टैफगार्ड तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह तकनीक अवशिष्ट जल को जमीन में अवशोषित नहीं होने देती। जल जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। इसे किचन गार्डन और खेती के लिए उपयोग किया जा सकता है। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डॉ आदित्य गौतम, श्रीराम कॉलेज की प्राचार्या डॉ प्रेरणा मित्तल इलेक्ट्रॉनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिं की विभागाध्यक्ष साक्षी श्रीवास्तव अभिषेक कुमार, विवेक और अनुज आदि उपस्थित रहे।

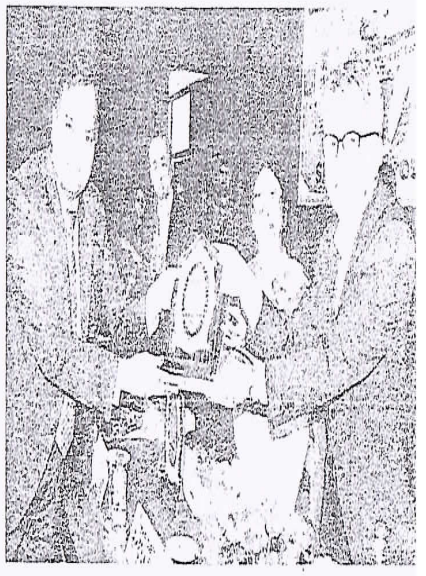

Dainik Jagran

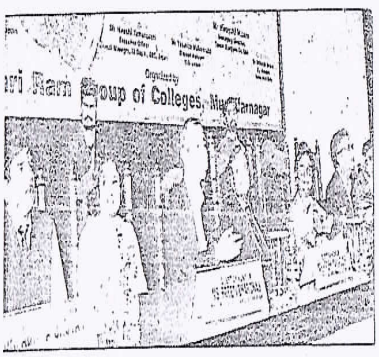

श्रीराम कालेज में आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि। संवाद

ार्वजनिक शौचालयों की हालत दयनीय

जफ्फरनगर। श्री राम कॉलेज में 'अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या' षय पर संगोष्ठी हुई। जापान की अंतरराष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल स्टम के निदेशक हिरोयूकी मिहारा, ई-स्कवायर के निदेशक कैनेची पूरा एवं हिरोशी यामानूची अतिथि रहे। नगर पालिका चेयरपर्सन अंजू ग्रवाल ने गोष्ठी का शुभारंभ किया। संस्था चेयरमैन डॉ एससी कुलश्रेष्ठ बताया कि केवल 31 सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय जफ्फरनगर में है। जिनमें सफाई व सुविधाओं की स्थिति बहुत अच्छी हीं है। अभी बहुत सी जगहों पर सार्वजनिक शौचालय नहीं है। इसके ाध्यम से छात्रावासों तथा कॉलेज के अवशिष्ट जल को पुनः उपयोगी नाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। गअंजू अग्रवाल ने कहा कि फगार्ड एक उपयोगी तकनीकी है। जिससे भू-जल दूषित होने से बचेगा था जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी। संचालन डॉ प्रशांत चौहान ने कया। कॉलेज निदेशक डा. आदित्य गौतम, प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल, ाक्षी श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, विवेक, अनुज आदि उपस्थित रहे।

Amar Ujala

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL * S.R.C. MZN.

"अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

मुजफ्फरनगर, १६ नवम्बर (बुस.)। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ में "अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पिछले कई वर्षों से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा अवशिष्ट जल प्रबंधन पर जनपद में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों सहित ३१ शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण से संबंधित तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जापान की ही अन्य कंपनी ई–स्कवायर के निदेशक कैनेची तमूरा एवं हिरोशी यामानूची रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुजफ्फरनगर नगरपालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने की। २०१७ से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ एवं जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के संयुक्त प्रयास से जनपद में अवशिष्ट जल संशोधन के क्षेत्र में संयुक्त विकास कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है। इस विषय पर श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ के चेयरमैन डॉ. एससी कुलश्रेष्ठ ने बोलते हुए कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ के सिविल इंजीनियरिंग ने मुजफ्फरनगर का वृहद दौरा किया तथा सुविधा, उपलब्धता एवं स्वच्छता के आधार पर जनपद के सार्वजनिक व सामूदायिक शौचालयों का सर्वेक्षण कराया, जिसका यह निष्कर्ष निकला कि केवल ३१ सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय मुजफ्फरनगर में हैं, जिनमें सफाई व सुविधाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। अभी भी मुजफ्फरनगर में बहुत सी जगहों पर सार्वजनिक शौचालय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ में टैफगार्ड तकनीकी पिछले वर्ष से बेहद प्रभावी तरीके से कार्य कर रही है, जिसके माध्यम से छात्रावासों तथा कॉलेज के अवशिष्ट जल को पुनः उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उन्होंने नगरपालिका चेयरमैन अंजू अग्रवाल का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके माध्यम से सरकार एवं प्रशासन का भी पूरा–पूरा सहयोग इस कार्य में मिल रहा है, जिसकी योजनास्वरूप श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ में आयोजित अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्याओं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा जनपद में ३१ शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया। इस विषय पर विस्तार से प्रस्तुती देते हुए श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने २०१७ से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा जनपद में किए जा रहे सर्वेक्षण के आधार पर एकत्रित आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए

बताया कि जनपद में कुल ३१ सार्वजनिक एवं सामूदायिक शौचालय हैं, जिनमें ११ सार्वजनिक, ६ सामुदायिक और ११ अन्य ऐसे शौचालय हैं, जो गैरसरकारी संगठनों द्वारा जनहित में कार्य कर रहे हैं। सेमिनार में ताईसी कंपनी के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा ने टैफगार्ड तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह तकनीकी अवशिष्ट जल को जमीन में अवशोषित नहीं होने देती, जबकि वाष्पीकरण द्वारा जमीन के ऊपर भेज देती है, जिससे जमीन के ऊपर का पानी दूषित होने से बच जाता है तथा टैफगार्ड द्वारा वाष्पीकृत हुआ जल जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाता है। इसे किचन गार्डन और खेती के लिए उपयोग क़िया जा सकता है। उन्होंने जनपद में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा किए गए सर्वेक्षण एवं अर्जित आंकड़ों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्वेक्षण द्वारा अर्जित आंकड़ों से अवशिष्ट जल प्रबंधन के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को चिन्हित कर उनके निस्तारण में बहुत ही महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जापानी मीडिया शिरकत कर रहा है, जिसका मूल उद्देश्य यह है कि जापान की ताईसी कंपनी एवं श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा संयुक्त रूप से सफलतापूर्वक चलाई जा रही अवशिष्ट जल प्रबंधन योजना के प्रभाव को भारत के साथ–साथ जापान के लोगों को भी अवगत कराना है। कार्यक्रम की अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि टैफगार्ड एक उपयोगी तकनीकी है, जिससे भू जल दूषित होने से बचेगा तथा जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने नई तकनीकी को अपनाने के लिए श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस योजना का प्रसार जनपद के सभी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रशांत चौहान ने किया। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डॉ. आदित्य गौतम, श्रीराम कॉलेज की प्राचार्या डॉ. प्रेरणा मित्तल, इलैक्ट्रोनिक्स कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्षा साक्षी श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, विवेक और अनुज आदि उपस्थित रहे।

~~Shah Times~~ Muzaffarnagar Bulletin

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL * S.R.C. MZN.

श्रीराम कॉलेज में आयोजित हुई अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

जापान की कम्पनी के अधिकारियों की रही मौजूदगी, योजना के प्रचार-प्रसार पर दिया बल

शाह टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरनगर। श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में 'अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पिछले कई वर्षों से श्रीराम ग्रुप ऑफ़ कॉलेजेज़ द्वारा अवशिष्ट जल प्रबंधन पर जनपद में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों सहित 31 शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण से संबंधित तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जापान की ही अन्य कंपनी ई-स्कवायर के निदेशक कैनेची तमूरा एवं हिरोषी यामानूची रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने की। 2017 से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ एवं जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के संयुक्त प्रयास से जनपद में अवशिष्ट जल संशोधन के क्षेत्र में संयुक्त विकास कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है। इस विषय पर चेयरमैन डा. एससी कुलश्रेष्ठ ने कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ के सिविल इंजी. नियरिंग का वृहद दौरा किया तथा सुविधा, उपलब्धता एवं स्वच्छता के आधार पर जनपद के सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालयों का सर्वेक्षण कराया। इस विषय पर विस्तार से प्रस्तुति देते हुए अर्जुन सिंह ने 2017 से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा जनपद में किए जा रहे सर्वेक्षण के आधार पर एकत्रित आंकड़ों को प्रस्तुत करते हुए बताया कि जनपद में कुल 31 सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालय हैं। जिनमें 11 सार्वजनिक, 9 सामुदायिक और 11 अन्य ऐसे शौचालय है, जो गैरसरकारी संगठनों द्वारा जनहित में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम की अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि टैफगार्ड एक उपयोगी तकनीकी है, जिससे भू जल दूषित होने से बचेगा तथा जमीन की उर्वरा शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने नई तकनीकी को अपनाने के लिए कॉलेजेज़ की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस योजना का प्रसार जनपद के सभी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डा. प्रशांत चौहान ने किया। इस अवसर पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डा. आदित्य गौतम, प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल, साक्षी श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, विवेक और अनुज उपस्थित रहे।

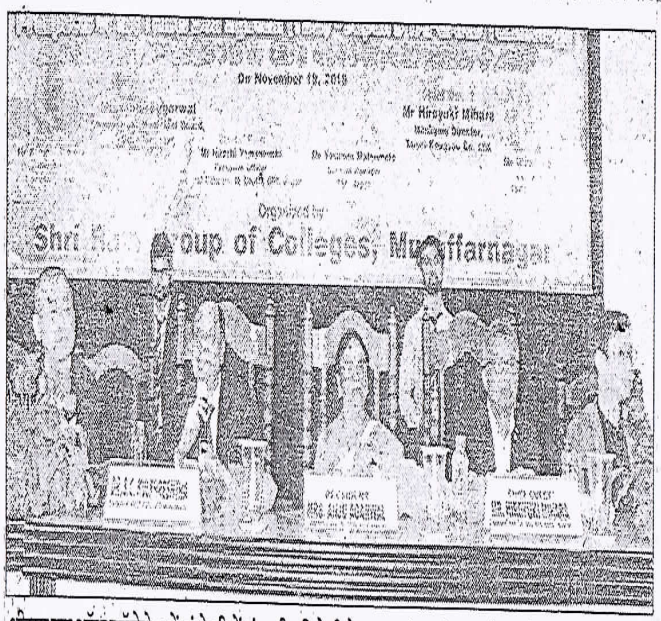

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में संगोष्ठी में मंचासीन विदेशी मेहमान एवं स्थानीय पदाधिकारी।

Shah Times

अवशिष्ट जल प्रबंधन समस्या पर संगोष्ठी

मुजफ्फरनगर | हमारे संवाददाता

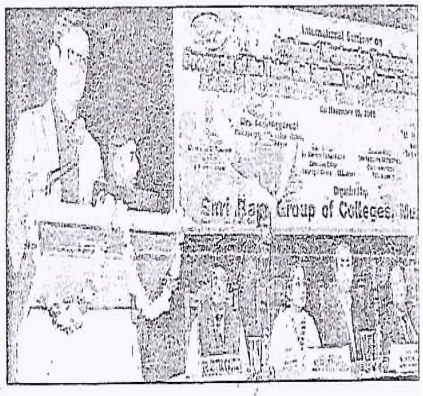

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ में अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पिछले कई सालों से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज़ द्वारा अवशिष्ट जल प्रबंधन पर जनपद में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों सहित 31 शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण से संबंधित तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयूकी मिहारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में जापान की ही अन्य कंपनी ई-स्कवायर के निदेशक कैनेची तमूरा एवं हिरोशी यामानूची रहे। अध्यक्षता पालिका अध्यक्ष अंजू अग्रवाल ने की।

कॉलेजेज़ के चेयरमैन डा. एस.सी कुलश्रेष्ठ ने बोलते हुए कहा कि 31 सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय मुजफ्फरनगर में है। जिनमें सफाई व सुविधाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। संचालन डा. प्रशांत चौहान ने किया। इस मौके पर श्रीराम कॉलेज के निदेशक डा. आदित्य गौतम, प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल आदि उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर में मंगलवार को श्रीराम कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में बोलते अतिथि।

Hindustan

INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL * S.R.C. MZN.